टमाटर की खेती

प्रजातियाँ

टमाटर की सामान्य प्रजातियां

❖ हिसार अरुण	❖ पंजाब छुवारा
❖ अर्का विकास	❖ काशी अमृत
❖ पंत टमाटर 3	❖ कल्यानपुर टाइप 3
❖ आजाद टी. 5	❖ आजाद टी. 6

टमाटर की संकर प्रजातियां

सीमित बढ़वार वाली प्रजातियां

❖ रश्मी	❖ रूपाली
❖ अजंता	❖ कल्यानपुर टाइप 3
❖ मंगला	❖ अविनाश 22
❖ पूसा हाइब्रिड 2	

असीमित बढ़वार वाली प्रजातियां

❖ नवीन	❖ सोनाली
❖ मोहिनी	❖ रत्ना

खेत की तैयारी

- जीवांशयुक्त बलुई दोमट एवं दोमट उत्तम
- भूमि का पी.एच. मान 6-7 उपयुक्त
- पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा 3-4 जुताई कल्टीवेटर से
- भूमि को पाटा लगाकर समतल करना चाहिए

बीज की मात्रा एवं रोपाई

सामान्य प्रजातियों

- 450-500 ग्राम बीज प्रति हेक्टेयर

संकर प्रजातियों

- 300-350 ग्राम बीज प्रति हेक्टेयर

बीज शोधन

- 2 ग्राम कैप्टान या थीरम से किलोग्राम बीज

- क्यारी जमीन सतह से 15-20 सेंटीमीटर ऊंची तथा एक मीटर चौड़ी एवं 5-10 मीटर लम्बी होनी चाहिए
- बीज की बुवाई 1.5-2 सेंटीमीटर की गहराई पर करनी चाहिए

सीमित बढ़वार वाली प्रजातियां

- लाइन से लाइन की दूरी 60 सेंटीमीटर
- पौधे से पौधे की दूरी 45 सेंटीमीटर

असीमित बढ़वार वाली प्रजातियां

- लाइन से लाइन की दूरी 75 सेंटीमीटर
- पौधे से पौधे की दूरी 45 सेंटीमीटर

खाद एवं उर्वरक

- 250-300 कुंतल गोबर की खाद प्रति हेक्टेयर
- नत्रजन- 150 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर
- फास्फोरस- 60 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर
- पोटाश- 60 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर

- टमाटर की फसल में फल फटने के नियंत्रण के लिए बोरेक्स 800 ग्राम, 550 लीटर पाने में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव दूसरा छिड़काव 15 दिन बाद

सिचाई

- पहली हल्की सिंचाई पौध की रोपाई के बाद
- बाद में 20-25 दिन के अंतराल पर सिंचाई करना चाहिए

खरपतवार नियंत्रण

- पहली निराई-गुड़ाई रोपाई से 20-25 दिन बाद दूसरी 40-45 दिन बाद करनी चाहिए
- पेंडामेथलीन 3.3 लीटर मात्रा को 1000 लीटर पानी में घोलकर रोपाई के 1-2 दिन बाद छिड़काव

रोग नियंत्रण

- आर्द्र गलन
- अगेती झुलसा रोग
- पत्ती मोड़ विषाणु रोग

आर्द्र गलन

- नियंत्रण के लिए नर्सरी में कैप्टान 2 ग्राम को प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव

अगेती झुलसा

- रोकथाम हेतु 2 ग्राम इंडोफिल एम. 45 या 3 ग्राम कॉपर आक्सीक्लोराइड प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव

पत्ती मोड़ विषाणु रोग

- रोकथाम के लिए 2 मिलीलीटर मोनोक्रोटोफास प्रति लीटर पानी में घोलकर 15 दिन के अंतराल पर छिड़काव

कीट नियंत्रण

- कटुआ कीट
- तना एवं फल छेदक कीट

कटुआ कीट

- रोकथाम के लिए क्यूनालफास 25 ई. सी. 1.5-2 लीटर मात्रा या साइपरमेथ्रिन की 750 मिलीलीटर मात्रा को 700-800 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव

तना एवं फल छेदक कीट

- रोकथाम हेतु नीम की गिरी 40 ग्राम मात्रा को पीसकर प्रति लीटर पानी में घोलकर 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव

- डेसिस 28 ई. सी. एक मिलीलीटर या कार्बोसिल्फान 25 ई.सी. 2 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर 15 दिन के अंतराल पर छिड़काव

तुडाई एवं उपज

- टमाटर के फलों की तुड़ाई लाल रंग के होने पर करनी चाहिए

उपज प्रति हेक्टेयर

- सामान्य प्रजातियों से 400-450 कुंतल
- संकर प्रजातियों से 600-700 कुंतल